बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी – २० जून, २००४)

(समय : सुबह ९:०० से १०:३०)	सत्संग परिचय - १	कुल प्राप्तांक : ७५

नोंध : दाहिनी ओर दिए गए अंक उसी प्रश्न के उत्तर के पृष्ठ क्रम बताते हैं।

विभाग-१ : सहजानंद चरित्र - प्रथम आवृत्ति, जनवरी २००१

प्रश्न.१. निम्न अवतरण कौन-किसे और कब कहता है यह लिखिए। **(६ गुण)**

१. ''अब तुम चिन्ता मत करो, मैं सेवा के लिए उनके पीछे पीछे जाऊँगी ।'' ८५
२. ''अत: धैर्य हो तो दु:ख मालूम नहीं होगा और भगवान का भजन हो पाएगा ।'' ४९
३. ''आप सब एक साथ मिलकर कैसे रह सकते हैं ।'' १३०

प्रश्न.२. निम्न विधानों के बारे में कारण दीजिए । (तीन से चार पंक्ति में) **(६ गुण)**

१. सबको अवतार और अवतारी का रहस्य स्पष्ट हो गया । १२०
२. श्रीजीमहाराज कहते है : ''मुझे सब को शुद्ध करना है।'' ७५
३. श्रीजीमहाराजने सत्संग में से निकलकर वन जाने का विचार किया। ८५

प्रश्न.३. निम्न में से किन्हीं दो के बारे में मुद्दासर विवरण लिखें। (१२ पंक्ति में) **(८ गुण)**

१. मीठा व्हाला केम विसरुं ? १५९
२. दीनानाथ, दीन का सम्मान । ८९
३. बाल हत्या बंध करवाई । ३७
४. साधु धर्म समजाया । १०८

प्रश्न.४. निम्न प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए । **(४ गुण)**

१. श्रीजीमहाराज वास्तव में समदर्शी क्यों कहलाए ? ६५
२. महाराज को कौन-से धर्म की प्रवृत्ति करवानी थी ? ११०
३. गुणातीतानंद स्वामी को जूनागढ के मंदिर का महंत बनाकर महाराजने क्या दिया ? १४४
४. महाराजने भूज नगर में कौन-से देव की प्रतिष्ठा की ? १२३

प्रश्न.५. निम्न विधानों के विकल्पों में से सही विकल्प लिखो । **(४ गुण)**

नोंध : एक विकल्प से ज्यादा (दो और तीन भी) विकल्प सही हो सकते हैं । सभी विकल्प सही होने पर ही गुण दिए जायेंगे । अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. सती-प्रथा के विषय पर महाराज के विचार । १५४
   (अ) सती होना यह तो आत्महत्या के समान है ।
   (ब) सती होने वाली में दैवी शक्ति का संचार होता है ।
   (क) पति के मरने पर परमेश्वर की परम पति भाव से सेवा-पूजा करनी चाहिए ।
   (ड) बाल हत्या नहीं करनी चाहिए ।
२. जूनागढ में मूर्तिप्रतिष्ठा । १४६
   (अ) संवत् १८४८, वैशाख कृष्ण द्वितीया (ब) संवत् १८८४, वैशाख कृष्ण द्वितीया
   (क) बलदेवजी, रेवतीजी, राधारमण देव । (ड) सिद्धेश्वर महादेव, राधारमण देव

प्रश्न.६. निम्न विधानों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । **(४ गुण)**

१. श्रीजीमहाराजे ..... तोडी तो दु:ख भोगना पडा । १४५
२. अहमदावाद में अंग्रेजों की सत्ता की स्थापना होने पर ..... प्रथम कलेक्टर नियुक्त किया । ९८
३. महाराजने ..... के मुंह से वेद पाठ करवाया । ५३
४. महाराज का भाइयों के साथे मिलन ..... में हुआ था । ११२

(पृष्ठ पलटिये)

प्रति,

परीक्षा व्यवस्थापक (दिनांक २० जून, २००४. परीक्षा - सत्संग परिचय - १. माध्यम - हिन्दी. समय - सुबह ९:०० से १०:३०)

सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद द्वारा किए हुए पूर्व कसौटी के आयोजन में मैंने स्वयं कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहकर परीक्षा दी है। निम्नलिखित बातें सही हैं, यह आप की जानकारी के लिए है।

५०१

परीक्षार्थी की अटक : परीक्षा दी वह दिनांक :

परीक्षार्थी का नाम : परीक्षा दी तब का समय :

पिता / पति का नाम : बैठक क्रमांक : | | | | | | |

परीक्षा स्थल का नाम : केंद्र नंबर : | | | | |

परीक्षार्थी की सही : केंद्र का नाम :

नोंध : सिर्फ़ उपस्थित परीक्षार्थी भूले बिना इस उपस्थिति स्लीप को काटकर, सब विगतों को भरकर केन्द्र व्यवस्थापक को दे दें। सिर्फ़ कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहने वाले परीक्षार्थी की उपस्थिति स्लीप इकट्ठा करके सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद को जमा करा लें ।

विभाग-२ : सत्संग वाचनमाला भाग-२ - प्रथम आवृत्ति, जुलै २०००

प्रश्न.७. निम्न अवतरण कौन-किसे और कब कहता है यह लिखिए। **(६ गुण)**

१. ''तुम अपनी ज़मीनदारी अपनी दो बहनों के नाम कर दो ।'' ४०

२. ''दीनानाथ , इस समय आप यहाँ कैसे ?'' १५

३. ''सो मस्तक कुर्बान करने पर भी हमें शास्त्रीजी महाराज का पक्ष लेना चाहिए । ये बहुत महान साधु हैं ।'' ७०

प्रश्न.८. निम्न विधानों के बारे में कारण दीजिए । (तीन से चार पंक्ति में) **(४ गुण)**

१. मूलजी ब्रह्मचारी ने सुथारण बाई का न गुड लिया और न घी । २६

२. महाराजने दिनमणि को अपने पास शरण दे दी । २

प्रश्न.९. निम्न में से किन्हीं एक के बारे में मुद्दासर विवरण लिखें । (१५ पंक्ति में) **(५ गुण)**

१. अयोध्याप्रसादजी महाराज का संतों-हरिभक्तों के प्रति आत्मीयभाव । ३१

२. आज्ञा पालने को तैयार जागा भगत । ५४

३. बोल्या श्रीहरि रे .... पद का अर्थ लिखो । २०

प्रश्न.१०. निम्न प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए । **(४ गुण)**

१. मूलजी ब्रह्मचारी का जन्म कब एवम कहाँ हुआ था ? २३

२. उन्नड खाचर के दरबार में किसका आश्रम था ? १२

३. महाराज कितने वर्ष दादाखाचर के दरबार में रहे ? ४३

४. आचार्य महाराज के विश्वास पात्र कौन थे ? ६०

प्रश्न.११. नीचे दिए हुए वाक्यों में से केवल पाँच सही वाक्यों को ढूँढ़कर सिर्फ़ उसके नंबर लिखे । **(५ गुण)**

प्रसंग :- (रूहानी) आत्मिक संगीत । १६

१. स्वामिनारायण के साधु का संगीत सुनने के बाद और किसीका संगीत सुनने का मन नहीं होता । **२.** उज्जैन के गवैये जूनागढ़ नवाब को संगीत सुनाने आए । **३.** माणावदर के नवाब ने प्रेमानंद स्वामी को सुना । **४.** अभी भी ऐसा होता है कि सुनते ही रहे । **५.** भैरवी राग गाइए । **६.** जाडों में पिछली रात के समय प्रेमानंद ने सारंगी के सूर छेड़े । **७.** ऐसा रूहानी संगीत कभी नहीं सुना । **८.** द्रुपद राग गाइए । **९.** स्वामी ने सूर छेड़े और प्रकृति के स्वभाव में परिवर्तन हो गया। **१०.** गवैये महाराज के पास वरताल आए । **११.** गवैये महाराज के पास गढ़पुर आए ।

प्रश्न.१२. नीचे दिए गए वाक्य सही हैं या गलत, यह लिखकर, गलत वाक्य को सुधारकर लिखिए । **(४ गुण)**

१. इन प्रेमानंद स्वामीने घोडी की वृत्ति खींच रखी है ? ४९

२. 'भक्त चिंतामणि' ग्रंथ का संपादन करने में नित्यानंद स्वामी का मुख्य सहयोग है । ८

३. गढपुर के मंदिर की सफेदी कराने का काम मूलजी ब्रह्मचारी ने किया ? २८

४. शास्त्रीजी महाराज राजकोट में जीवनराम शास्त्री से अध्ययन करते थे । ६९

विभाग-३ : निबंध

प्रश्न.१३. निम्न में से किसी भी एक विषय पर करीब ३० पंक्ति में निबंध लिखिए। **(१५ गुण)**

१. BAPS की आरोग्य सेवाये तथा आत्मिय जरूरत ।

२. स्त्रियों के सच्चे हितैषी - सहजानंद स्वामी ।

३. आहार शुद्धि : होटलों के शाकाहार में ९०% मांसाहार ।

नोंध : उपरोक्त सभी प्रश्नों में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न और एक निबंध दिनांक १८ जुलाई, २००४ के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में भी पूछे जाने की संभावनाएँ हैं ।